पत्र लेखन - औपचारिक पत्र

संपादक को पत्र लिखकर सामान्य नागरिकों की कठिनाईयों का वर्णन कीजिए।

सी-23, विवेक विहार,

नई दिल्ली।

दिनांक:............

सेवा में,

संपादक महोदय,

नवभारत टाइम्स,

नई दिल्ली।

विषय: सामान्य नागरिकों की कठिनाइयों को दर्शाने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं आपका ध्यान सामान्य नागरिकों की कठिनाइयों की ओर करवाना चाहता हूँ। कहने के लिए भारत विकास की तरफ अग्रसर है। प्रति व्यक्ति आय में भी बढ़ोतरी हुई है परन्तु यह सब दिखावा मात्र है। सरकार चाहे किसी भी दल की बने चुनाव के समय वादे बड़े-बड़े करते हैं। परन्तु वह अकसर खोखले होते हैं।

जहाँ सरकार द्वारा कहा जाता है कि हम दिल्ली को हाई-टेक सिटी बनाएँगे, वहीं सामान्य नागरिकों की कठिनाइयों से आँखें बंद कर ली गई हैं। रहने के लिए अच्छे घर उपलब्ध नहीं है, पीने का साफ़ पानी उपलब्ध नहीं है, गर्मियों में बिजली के दर्शन नहीं होते, मिलावटी सामानों से बाज़ार अटे पड़े हैं, यातायात के साधन उपलब्ध नहीं है, शहर में लोग सुरक्षित नहीं है, बरसात में शहर पानी से भर जाता है, अस्पतालों में मरीजों को जगह नहीं मिलती और उसके ऊपर मंहगाई ने रही-सही कसर पूरी कर ली है। फिर दिल्ली कैसे हाई-टेक सिटी बन पाएगी? लेकिन इन समस्याओं की ओर सरकार व प्रशासन का कभी ध्यान नहीं जाता। इन विषयों में उनकी अनदेखी वैसी-की-वैसी बनी रहती है। व्यक्ति जाए तो कहाँ जाए? करे तो क्या करे?

अत: आपसे मेरा विनम्र निवेदन है कि आप इसे अपने समाचार-पत्र में उचित स्थान पर छापें ताकि सरकार व प्रशासन का ध्यान इस ओर दिलाया जा सके। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

भवदीय,

उज्जवल सिंह

पुलिस में बढ़ रहे भ्रष्टाचार को दर्शाने हेतु संपादक को पत्र लिखिए

जनकपुरी, दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,

मुख्य संपादक,

हिन्दुस्तान टाइम्स,

बहादुरशाह जफ़र मार्ग,

नई दिल्ली।

विषय: पुलिस में बढ़ रहे भ्रष्टाचार की समस्या हेतु पत्र।

महोदय,

मैं आपका ध्यान पुलिस में निरन्तर बढ़ रहे भ्रष्टाचार की समस्या की ओर दिलवाना चाहता हूँ। दिल्ली एक ऐसा शहर है जो भारत के लिए बहुत महत्व रखता है। इस शहर की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी दिल्ली पुलिस के हाथों में है।

आए दिन समाचारों में यही पढ़ने व सुनने को मिलता है कि आमुक पुलिस अफ़सर ने रिश्वत लेकर मुजरिम को छोड़ दिया, रिश्वत लेकर बेगुनाह व्यक्ति को जेल में डाल दिया, किसी हवलदार ने अपनी वर्दी के रोब में आकर दुकानदारों को लुट लिया या किसी पुलिसवाले ने बिना वजह किसी व्यक्ति के साथ मारपीट की है इत्यादि। ये सब समाचार आम आदमी के मन में पुलिस के प्रति भय पैदा करते हैं।

हमारी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी इन्हीं के हाथों पर है। यदि यही अपनी ज़िम्मेदारियों को भूलकर गलत व्यवहार करेंगे तो आम जनता का क्या होगा? पुलिस का कार्य है, मुजरिमों को पकड़कर शहर को सुरक्षित बनाना। परन्तु यही मुजरिमों की सहायता करेगी तो कैसे चलेगा। प्रशासन को चाहिए कि पुलिस में बढ़ रहे भ्रष्टाचार को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए। वह ऐसे पुलिसवालों के प्रति सख्त रवैया अपनाए, जो रिश्वत लेकर लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आते। आम आदमी तभी स्वयं को सुरक्षित महसूस करेगा।

अत: आपसे निवेदन है कि आप इस समस्या को अपने समाचार पत्र में उचित स्थान में छापकर प्रशासन और सरकार का ध्यान इस ओर दिलवाएँ। आपके इस सहयोग के लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय

गोपाल जैन

सरकारी जमीन पर झुग्गियाँ बनाकर कब्जा करने की समस्या पर संपादक को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

संपादक महोदय,

हिन्दुस्तान टाइम्स,

बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग,

नई दिल्ली।

विषय: झुग्गी-झोपड़ियों द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा करने की समस्या हेतु पत्र।

महोदय,

मैं ओखला क्षेत्र का निवासी हूँ। मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में सरकारी जमीन पर बन रही झुग्गी-झोपड़ियों की तरफ दिलवाना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र में एक बहुत बड़ा पार्क है। इस पार्क के उचित रख-रखाव नहीं करने के कारण यह बेकार पड़ा था। परन्तु कुछ समय से यहाँ झुग्गियाँ बनने लगी है। आरंभ में यहाँ पर एक-दो झुग्गियाँ ही थीं। धीरे-धीरे यहाँ पर पचीस-तीस झुग्गियाँ बन गई हैं।

बच्चों के खेलने के लिए अब कोई स्थान शेष नहीं रह गया है। हमने दिल्ली नगर-निगम के अधिकारियों को पत्र लिखकर इस विषय में बताने का भी प्रयास किया। परन्तु इस विषय में उनकी अनदेखी बनी हुई है। इन झुग्गियों में रहने वाले लोग अपराधिक प्रवति के हैं। इस स्थान से लड़कियों और स्त्रियों का गुजरना कठिन हो गया है। सड़क के किनारे शौच करके इन्होंने उसे गंदा करना आरम्भ कर दिया है। जगह-जगह कूड़े के ढेर बने रहते हैं। इनकी झुग्गियों से निकलने वाला पानी सड़क पर फैलने लगा है जिससे सड़क की हालत खराब होने लगी है। हमने इस समस्या से निपटने के लिए बहुत प्रयास किए परन्तु वे सब असफल रहे हैं।

अत: आपसे निवेदन है कि आप इस समस्या को अपने समाचार पत्र में उचित स्थान में छापकर प्रशासन और दिल्ली नगर निगम का ध्यान इस ओर दिलवाएँ। आपके इस सहयोग के लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,

मनोज सक्सेना,

रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार की प्रशंसा करने हेतु संपादक को पत्र लिखिए।

पता: ....

दिनांक: ....

सेवा में,

संपादक महोदय,

नवभारत टाइम्स,

नई दिल्ली।

विषय: रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार की प्रशंसा के लिए पत्र।

महोदय,

मेरा नाम योगेश रावत है। मैं आपके समाचार पत्र के माध्यम से रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार के लिए आभार प्रकट करना चाहता हूँ। कुछ समय पूर्व तक टिकट का आरक्षण कराना लोहे के चने चबाने की भाँति था। रेल मंत्रालय द्वारा टिकट-आरक्षण के लिए ऑन-लाइन सुविधा आरम्भ करना सराहनीय कार्य है। अब लोगों को वहाँ की अव्यवस्था के कारण अपना समय बर्बाद करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और न ही लम्बी व भीड़ वाली कतार में खड़े होकर परेशानियों को सहना पड़ेगा। इससे समय की बचत होगी। हम सरलतापूर्वक अपनी मनोवांछित रेल टिकट का आरक्षण भी करवा सकेंगे।

कुछ समय पूर्व जब में स्वयं रेल-टिकट के आरक्षण हेतु गया था तो मुझे बहुत परेशनियों का सामना करना पड़ा था। परन्तु इस बार ऑन-लाइन द्वारा मुझे रेल-टिकट का आरक्षण घर बैठे ही मिल गया। इस तरह मेरा कीमती समय तो बचा ही साथ में उस भीड़-भाड़ और लम्बी कतार से भी छुटकारा मिल गया है।

मैं उनके इस कार्य के लिए उन्हें शुभकानाएँ व धन्यवाद देना चाहता हूँ। आशा करता हूँ कि आप मेरी बात उन तक अवश्य पहुँचाएगें।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,

योगेश रावत

अपने क्षेत्र में अनियमित जल आपूर्ति के लिए संपादक को पत्र लिखिए।

सादिक नगर,

नई दिल्ली।

तिथि: ....

सेवा में,

संपादक महदोय,

नवभारत टाइम्स,

बहादुरशाह जफ़र मार्ग,

आई.टी.ओ.,

नई दिल्ली।

विषय: अनियमित एवं अपर्याप्त जल आपूर्ति हेतु पत्र।

महोदय,

मेरा नाम वीर चौहान है। मैं सादिक नगर क्षेत्र का निवासी हूँ। मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार पत्र के द्वारा दिल्ली नगर निगम का ध्यान हमारे क्षेत्र में अनियमित एवं अपर्याप्त जल आपूर्ति की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूँ।

हमारे द्वारा पानी का बिल यथा समय पर भर दिया जाता है। बदले में हम अपेक्षा करते हैं कि प्रशासन भी मूलभूत सुविधाओं को हमें उपलब्ध कराए। परन्तु बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि 'दिल्ली नगर निगम' नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतर नहीं पाया है। दिल्ली नगर निगम द्वारा हमारे क्षेत्र में पानी की नियमित एवं पर्याप्त आपूर्ति की व्यवस्था भी नहीं की जा रही है।

हमारे क्षेत्र में सायंकाल केवल डेढ़ घंटे के लिए पानी आता है। पानी का दबाव इतना कम होता है कि हम दैनिक प्रयोग के लिए पूरा पानी भी भर नहीं पाते हैं। सुबह के समय पानी दो घंटे के लिए आता है। नौकरी

पेशा लोगों का सारा समय पानी जमा करने में ही निकल जाता है, जिससे उन्हें काम पर जाने में देरी हो जाती है।

अत: आपसे निवेदन करते हैं कि आप इस विषय में नगर निगम के अधिकारियों का ध्यान दिलवाएँ, जिससे हमारे क्षेत्र में जल की अनियमित एवं अपर्याप्त जल आपूर्ति की समस्या को दूर किया जा सके।

सधन्यवाद,

भवदीय,

वीर चौहान

यातायात पुलिस के ढीले-ढाले रवैये पर चिंता व्यक्त करते हुए संपादक को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

संपादक,

नवभारत टाइम्स,

बहादुरशाह जफ़र मार्ग,

आई.टी.ओ.,

नई दिल्ली।

विषय: यातायात पुलिस के ढीले-ढाले रवैये पर चिंता व्यक्त करने हेतु पत्र।

महोदय,

श्रीमान मेरा नाम राकेश कुमार है। मैं उत्तम नगर का निवासी हूँ। आपको पत्र लिखने का मेरा उद्देश्य इस प्रकार है कि मैं ओखला में स्थित अपने कार्यालय से अपने घर उत्तम नगर तक के लिए 724 रुट नं. बस लेता हूँ। मैंने सदैव इस बात को देखा है कि कई बस व गाड़ी चालक सड़क-परिवहन के नियमों की अनदेखी करते हैं, जिससे कई बार जाम व दुर्घटना की स्थिति बन जाती है। यदि किसी यातायात पुलिसवाले से इस विषय में शिकायत की जाए या किसी को नियम तोड़कर ये देख लें तो मामूली-सा चालान काटकर उन्हें छोड़ देते हैं। इस कारण ऐसे लोगों का साहस और भी बढ़ जाता है और ये किसी की

भी परवाह नहीं करते। इसी कारण सड़कों पर आए दिन दुर्घटना होती रहती हैं। इनके इस लापरवाहीपूर्ण व्यवहार का भुगतान आम जनता को अपनी जान से चुकाना पड़ता है।

मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप ऐसे यातायात पुलिसवालों के विरुद्ध अपने समाचार-पत्र में लिखें, जिससे वे अपने कर्त्तव्यों के प्रति सजग हो सकें। मैं सदा आपका आभारी रहूँगा। यदि आप ऐसा करते हैं तो यह समाज के हित के लिए बहुत कल्याणकारी होगा। इसलिए इस विषय में ध्यान देने की कृपा करें।

धन्यवाद,

भवदीय,

राकेश कुमार

स्वास्थ्य अधिकारी को मलेरिया-डेंगू उन्मूलन के लिए पत्र लिखिए।

कोटला मुबारक पुर,

नई दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,

श्री स्वास्थ्य अधिकारी,

दिल्ली नगर निगम,

नई दिल्ली।

विषय: मलेरिया-डेंगू उन्मूलन के लिए प्रार्थना-पत्र।

मान्यवर,

विनम्र निवेदन है कि दिल्ली में डेंगू का भयंकर प्रकोप छाया हुआ है। दिल्ली में इस साल हुई लगातार वर्षा के कारण जगह-जगह पानी के बड़े-बड़े तालाब बन गए हैं। पानी की उचित निकासी नहीं होने के कारण यह पानी वहीं पर जमा हो रहा है। इन पानी के तालाबों में मच्छरों के लारवा पनप रहे हैं। डेंगू और मलेरिया के मच्छरों के पनपने के लिए ये उचित स्थान हैं। हमारे क्षेत्र में तो ऐसे छोटे-बड़े अनेकों तालाब बन गए हैं, जिनमें यह मच्छर पनप रहे हैं। जहाँ तक संभव हो सका हमने स्वयं ही इस समस्या से छुटकारा पाने का प्रयास किया परन्तु पूरे क्षेत्र में यह कर पाना संभव नहीं था।

इसका परिणाम यह निकाला हमारे क्षेत्र में दस-बारह व्यक्ति इन भयंकर रोगों के शिकार होकर मृत्यु को प्राप्त हो चुके हैं। यह बीमारियाँ तेज़ी से फैल रही हैं। हमारे क्षेत्र के सफाई कर्मचारी ठीक प्रकार सफाई नहीं करते। इन गड्ढों में भरे पानी की निकासी अभी तक नहीं की गई हैं और न ही इनमें दवाइयाँ डाली गई हैं, जिस से मलेरिया-डेंगू के मच्छरों को पैदा होने से रोका जा सके।

आपसे अनुरोध है कि एडिस व मलेरिया के मच्छर न पनपने पाएँ, इस ओर ध्यान देकर नगर की सफाई व रोगों से रक्षा के लिए उपचार का उचित प्रबन्ध करें। आपकी अति कृपा होगी।

सधन्यवाद,

भवदीय

राहुल

परिवहन निगम को कॉलोनी से सीधी बस सेवा चलाने हेतु पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

मुख्य प्रबंधक,

दिल्ली परिवहन निगम,

नई दिल्ली।

विषय: अपनी कॉलोनी से सीधी बस सेवा चलाने का अनुरोध करने हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

मेरा नाम अपूर्व है। मैं मोती बाग का निवासी हूँ। मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र से ओखला तक बस सेवा नहीं होने के कारण उत्पन्न समस्या की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूँ।

हमारी कॉलोनी से विभिन्न लोगों को काम के सिलसिले में व नौकरी करने हेतु ओखला क्षेत्र तक आना जाना पड़ता है। परंतु दुख की बात है कि हमारे क्षेत्र मोती बाग से दिल्ली परिवहन की कोई भी बस ओखला तक के लिए नहीं जाती है। ओखला जाने के लिए हमें दो-दो बसें बदलकर जाना पड़ता है। पहली बस हमें नेहरू प्लेस तक की मिलती है तथा दूसरी बस हमें नेहरू प्लेस से लेकर ओखला तक की मिलती है। सीधी बस न होने के कारण समय व पैसों दोनों की बर्बादी होती है। हमारे क्षेत्र में अधिकतर परिवार मध्यम परिवारों से हैं। इनके पास बस में यात्रा करने के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प नहीं है।

अत: विनम्र प्रार्थना है कि आप यथाशीघ्र हमारे क्षेत्र से ओखला तक की सीधी बस सेवा आरंभ करवाने की कृपा करें। आपकी इस सहायता के लिए हमारा क्षेत्र सदैव आपका आभारी रहेगा।

धन्यवाद,

भवदीय,

अपूर्व

गटर से निकल रहे गंदे पानी की समस्या को दर्शाने हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

स्वास्थ्य अधिकारी,

स्वास्थ्य विभाग,

दिल्ली नगर निगम,

नई दिल्ली।

विषय: गटर से निकल रहे गंदे पानी से उत्पन्न समस्या के समाधान हेतु पत्र।

महोदय,

मैं पश्चिम विहार का निवासी हूँ। मैं प्रशासन का ध्यान हमारे क्षेत्र में सड़क के किनारे स्थित गटर से लगातार निकलने वाले गंदे पानी से उत्पन्न समस्या की ओर दिलाना चाहता हूँ। यह गटर पश्चिम विहार की ज्वालाहेडी मार्किट के किनारे बनी सड़क में स्थित है। कुछ दिनों से इस गटर से मल-मूत्र युक्त गंदा पानी निकल रहा है। सड़क के किनारे बनी नालियाँ बंद होने के कारण यह जल वहीं इकट्ठा हो रहा है। यहाँ पर भंयकर दुर्गंध आती रहती है। लोगों का सड़क से गुजरना कठिन हो गया है।

गंदे पानी के जमाव के कारण मक्खियों और मच्छरों का प्रकोप इस क्षेत्र में लगातार बढ़ रहा है। दिन हो या रात, इस क्षेत्र में आजकल मक्खियों और मच्छरों के झुंड घूमते नज़र आते हैं। इस सड़क के दूसरी ओर विद्यालय है। यह गंदा पानी बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर डाल सकता है। हम इस बारे में कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन इस ओर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया है।

अत: आपसे निवेदन है कि आप गटर से निकलने वाले गंदे पानी की समस्या के समाधान हेतु उचित कदम उठाएँ ताकि इससे होने वाली परेशानियों को दूर किया जा सके। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,

दीपक मल्होत्रा

डाकिए के बुरे व्यवहार और डाक अनियमिता पर मुख्य डाक अधिकारी को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

मुख्य डाक अधिकारी,

डाकघर, जोरबाग,

नई दिल्ली।

विषय: समय पर डाक न दिए जाने और डाकिए द्वारा बुरे व्यवहार किए जाने हेतु शिकायती पत्र।

महोदय,

निवेदन यह है कि मैं जोरबाग का निवासी हूँ। मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में डाक समय पर नहीं दिए जाने की ओर करवाना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र में पिछले कई महीनों से डाक समय पर नहीं दी जा रही हैं।

पहले वाला डाकिया दिन में दो बार डाक वितरीत करने आया करता था। वह प्रत्येक घर में जाकर डाक दिया करता था। उसके रहते कभी हमारी डाक विलंब नहीं हुई। वह अपना काम बड़ी ईमानदारी से करता था। परन्तु जबसे यह डाकिया आया है। डाक हफ़्तों-हफ़्तों नहीं आती। कई बार तो हमें दो महीने पुराने पत्र प्राप्त होते हैं। वह पत्रों को घरों में न डालकर कहीं भी फेंककर चला जाता है।

उसके इस व्यवहार के लिए हमने उसे समझाना चाहा तो वह हमारे साथ लड़ाई-झगड़े पर उतारू हो गया। उससे अगर कुछ कहा जाए तो वह बात को अनसुना कर देता है या फिर उल्टा-सीधा बोलना आंरभ कर देता है। उसके इस व्यवहार से सभी बहुत दुखी हैं।

आशा करता हूँ कि आप हमारी इस समस्या को ध्यान में रखते हुए, हमारी सहायता करेंगे। उसके इस व्यवहार के लिए उसे दण्डित करेंगे और हमारे क्षेत्र का डाक वितरण फिर से सुचारू रूप से करवाएँगे। आपकी बहुत कृपा होगी।

धन्यवाद,

भवदीय

शौकीन खान

पड़ोसी के घर हुई चोरी की रिपार्ट कराने हेतु पुलिस थाना अधिकारी को पत्र लिखिए।

4195, गोविंदपुरी,

नई दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,

थानाध्यक्ष,

गोविंदपूरी,

नई दिल्ली।

विषय: पड़ोस में हुई चोरी की रिपोर्ट हेतु पत्र।

मान्यवर,

मेरा नाम कुश शर्मा है। मैं गोविंदपुरी का निवासी हूँ। इस पत्र के द्वारा मैं आपका ध्यान हमारे पड़ोस में हुई चोरी की तरफ़ आकर्षित करवाना चाहता हूँ। श्रीमान जी हमारे पड़ोस में कुमार रावल नाम के व्यक्ति अपने परिवार सहित मकान नम्बर 754, गली नम्बर-6 में रहते हैं। दिनांक .... को वह परिवार सहित वैष्णों देवी की यात्रा के लिए जम्मू गए हैं। यहाँ पर उनका कोई परिचित भी नहीं है। कल सुबह जब हम उठे तो देखकर हैरान रह गए, उनके घर का ताला टूटा पड़ा था। हमने अंदर जाकर देखा घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था।

चोरों ने रात के समय आकर उनका सारा घर लूट लिया था। उनके घर में क्या और कितना चोरी हुआ है? इस विषय में हमको कोई जानकारी प्राप्त नहीं है। रावल जी को भी फोन पर सूचना दे दी गई है। हमारे घर के बाहर रात के दस बजे तक लोगों की चहलकदमी रहती है। अत: चोरी दस बजे के बाद हुई हो ऐसी संभावना लगती है। हमने पूरी जानकारी इस पत्र के द्वारा आपको दे दी है।

आपसे निवेदन है कि आप इस चोरी की प्राथमिक सूचना (रिपोर्ट) दर्ज कर लें। आप जितना शीघ्र हो सकें चोरों का पता लगाने का प्रयास करें। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

कुश शर्मा

सड़कों को और अधिक चौड़ा किए जाने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखिए।

ए-243, सागरपुर,

नई दिल्ली।

तिथि: ....

सेवा में,

मुख्यमंत्री जी,

दिल्ली सरकार,

दिल्ली सचिवालय,

आई.पी.स्टेट,

नई दिल्ली।

विषय: सागरपुर में सड़कों को और अधिक चौड़ा किए जाने हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

मैं सागरपुर का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में स्थित सड़कें बहुत छोटी हैं। परन्तु सड़कों के किनारे जगह-जगह फुटकर दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण करने से सड़कें और भी छोटी हो गई हैं, जिसके कारण यातायात मार्ग सदैव बाधित रहता है। इन सबसे नगर में भीड़-भाड़ बढ़ती जा रही है, जो एक जटिल समस्या का रूप ले रही है।

परिवहन के आवागमन के लिए पर्याप्त स्थान न होने से सदैव जाम की स्थिति बनी रहती है। रास्ता इतना छोटा हो गया है कि एक समय में एक ही गाड़ी निकल पाती है। पैदल चलने वाले यात्रियों को भी आने-जाने में असुविधा होती है। आपातकालीन स्थिति में उचित समय पर सहायता नहीं मिल पाती है, जिससे दुर्घटना बड़ा रूप धारण कर लेती है।

आपसे निवेदन है कि आप परिवहन की इस जटिल समस्या के हल हेतु सड़कों को और अधिक चौड़ा किए जाने के लिए उचित कार्य करें, जिससे इस समस्या से मुक्ति पाई जा सके। हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,

प्रेम सिंह

विद्यालय में बच्चों को दी जाने वाली सज़ा पर रोक लगाने हेतु शिक्षामंत्री को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

शिक्षामंत्री,

दिल्ली सरकार,

दिल्ली सचिवालय,

आई.पी.स्टेट,

नई दिल्ली।

विषय: बच्चों को दी जाने वाली शारीरिक और मानसिक सजा पर रोक लगाने हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

मैं आपका ध्यान दिल्ली के विद्यालय में बच्चों को सज़ा के नाम पर दी जाने वाली शारीरिक और मानसिक यातनाओं की ओर आकर्षित करवाना चाहता हूँ।

दिल्ली मैं असंख्य विद्यालय हैं, इन विद्यालयों में लाखों बच्चे पढ़ने जाया करते हैं। शिक्षा ऐसा स्थान है जहाँ पर बच्चे का मानसिक और शारीरिक विकास होता है। विद्यालय में बच्चे का अध्यापक से गहरा रिश्ता बनता है। अध्यापक की उंगुली पकड़कर एक बच्चा ज्ञान के मार्ग में अग्रसर होता है। पढ़ाते समय अकसर ऐसा समय आता है जब बच्चे अध्यापक के धीरज के बांध को तोड़ देते हैं। परन्तु इसका अर्थ यह नहीं होता कि वह उन्हें ऐसी सज़ा दे जिससे उनका कोमल मन भय से कांप जाए।

आजकल यही सुनने में आता है कि आमुक अध्यापक ने बच्चे को इतना पिटा की वह मर गया या आमुक अध्यापक बच्चों को ऐसी सज़ा दिया करता था कि एक बच्चे ने भय के मारे आत्महत्या कर ली।

इन समाचारों से आभास होता है कि उनका कोमल मन इस तरह की सज़ाओं से विकल हो जाता है।

आपसे निवेदन है कि आप विद्यालयों में बच्चों को दी जाने वाली शारीरिक और मानसिक सज़ा पर रोक लगाकर उनके जीवन को मुस्कुराहट से भर दें। आपका यह कदम उनके लिए कल्याणकारी सिद्ध होगा।

धन्यवाद

भवदीय

गंगाराम दीक्षित

अपने क्षेत्र में उच्चतर स्तर का विद्यालय खोलने के लिए शिक्षामंत्री को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

शिक्षामंत्री,

दिल्ली सरकार,

दिल्ली सचिवालय,

आई.पी.स्टेट,

नई दिल्ली।

विषय: अपने क्षेत्र में उच्चतर विद्यालय खोलने हेतु पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में उच्चतर स्तर का विद्यालय नहीं होने से उत्पन्न समस्या की ओर आकृष्ट करवाना चाहता हूँ।

हमारे क्षेत्र में केवल एक ही प्राथमिक विद्यालय है। यहाँ पर प्राइमरी स्तर तक ही शिक्षा दी जाती है। छटी कक्षा से बारहवीं कक्षा तक की शिक्षा प्राप्त करने के लिए कोई विद्यालय नहीं है। हमें अपनी आगे की शिक्षा

प्राप्त करने के लिए हमारे क्षेत्र से दस किलोमीटर दूर अन्य क्षेत्र में जाना पड़ता है। उसके लिए विद्यार्थियों को या तो पैदल जाना पड़ता है या फिर बस के द्वारा जाना पड़ता है। इस कारण समय, पैसे और श्रम तीनों की ही हानि उठानी पड़ती है।

विद्यार्थियों को इससे बहुत परेशान होना पड़ता है। उनका सारा दिन आने-जाने में बर्बाद हो जाता है।

अत: आपसे विनम्र प्रार्थना है कि आप हमारे क्षेत्र में उच्चतर स्तर का विद्यालय खुलवाने का कष्ट करें। आपके इस कदम से हमारे क्षेत्र के सभी बच्चों का कल्याण होगा।

धन्यवाद,

भवदीय,

राजकुमार

कक्षा: ....

क्षेत्र में गलियों की गंदगी की समस्या दर्शाने हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

स्वास्थय अधिकारी,

दिल्ली नगर निगम,

सिविल लाइन्स,

नई दिल्ली।

विषय: क्षेत्र में गलियों की गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

मैं आनंद पर्वत क्षेत्र का निवासी हूँ। हमारे इलाके की सफाई व्यवस्था से तंग आकर मैं आपको यह पत्र लिख रहा हूँ। पिछले कुछ दिनों से नगर-निगम के कर्मचारियों द्वारा हमारे इलाके की सफाई व्यवस्था की अनदेखी के कारण चारों तरफ गंदगी फैली हुई है। जगह-जगह कूड़े के ढेर देखे जा सकते हैं। आवारा पशुओं के ये चारागाह बन गए हैं।

सफाई कर्मचारियों द्वारा पिछले कुछ दिनों से कूड़ा नहीं उठाने के कारण चारों ओर दुर्गन्ध फैली हुई है। नालियों की निकासी नहीं होने के कारण वे बंद पड़ गई हैं। इन नालियों में ठहरे पानी में मच्छर-मक्खियों का जमावड़ा देखा जा सकता है। इन दोनों कारणों से हमारे इलाके में मक्खियों और मच्छरों का प्रकोप बना हुआ है। यदि ऐसा ही हाल रहा तो इस क्षेत्र में बीमारियों के फैलाव को रोकना कठिन हो जाएगा।

आपसे सविनय निवेदन है कि आप इस ओर विशेष ध्यान दें और इस समस्या का समाधान शीघ्र ही निकालें। हम सब आपके सदा आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,

विनय पाठक

खेल के सामान की उचित व्यवस्था करने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक:........

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य जी,

बाल विद्या निकेतन,

नई दिल्ली।

विषय: खेल के सामान की उचित व्यवस्था करने हेतु पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में आठवीं कक्षा का छात्र हूँ। मैं आपका ध्यान हमारे विद्यालय में खेल के सामान की कमी की ओर दिलाना चाहता हूँ। पिछले वर्ष फुटबाल में प्रयोग होने वाला नेट खराब हो गया था। हमारे पास क्रिकेट खेलने के लिए नई किट भी नहीं है। टेनिस के लिए बॉल नहीं है। हमारे पास खेल का जो भी समान उपलब्ध है या तो वे पुराना है या फिर पुरी तरह खराब हो चुका है।

इसके बारे में हमने कई बार अपने खेल प्रशिक्षक को सूचित भी किया। परन्तु उन्होंने इस विषय में अपनी असमर्थता ही जताई। खेल की सामग्री न होने से हमारी आगामी खेल प्रतियोगिता पर बुरा असर पड़ेगा। यदि यही हाल रहा तो इस प्रतियोगिता में हमारा प्रदर्शन बेकार होगा।

आपसे निवेदन है कि आप हमारे लिए खेल की नई साम्रगी मँगवाने की कृपा करेंगे ताकि समय से खेलों का अभ्यास शुरू हो सके। आपके सहयोग से हमें बड़ी सहायता मिलेगी। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

रोहित

कप्तान, विद्यालय खेल परिषद,

कक्षा: आठवीं 'ए'

प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य जी,

शिशु बाल मन्दिर,

शिवाजी पार्क,

नई दिल्ली।

विषय: छात्रवृत्ति के लिए आवेदन-पत्र हेतु।

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि मेरा नाम कपिल है और मैं आठवीं 'ए' का छात्र हूँ। मेरा अब तक का पढ़ाई का रिकार्ड अच्छा रहा है और साथ ही कई भाषण प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मुझे विद्यालय की ओर से कई बार कक्षा में प्रथम आने के लिए पुरस्कार भी मिला है।

मान्यवर, इस वर्ष मेरे पिताजी के ज़्यादा अस्वस्थ्य होने के कारण उनका व्यवसाय ठप्प-सा हो गया है। उनके इलाज कराने हेतु समस्त जमा राशि भी खर्च हो गई है। इस कारण हमारे घर की आर्थिक दशा कमज़ोर हो गई है। मेरे घर में हम तीन भाई-बहन हैं। हम तीनों विद्यालय में पढ़ते हैं। परन्तु आर्थिक तंगी के कारण मेरे पिताजी हमारी पढ़ाई का खर्चा उठाने में असमर्थ हैं। माताजी सिलाई का काम करके घर

चलाती हैं। परन्तु वह इतना कमा नहीं पाती कि हम तीनों भाई-बहन की पढ़ाई का खर्चा उठा सके। यदि मुझे आर्थिक सहायता प्राप्त नहीं हुई तो अपनी पढ़ाई बीच में ही रोक देनी पड़ेगी।

अत: आपसे निवेदन है कि मुझे इस वर्ष 500 रू. मासिक की छात्रवृत्ति प्रदान करने की कृपा करें। आपके इस सहयोग से मैं अपनी पढ़ाई बिना किसी परेशानी के पूरी कर पाऊँगा। आपके सहयोग एवं कृपा करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

कपिल

कक्षा- आठवीं 'ए'

प्रमाण-पत्र एवं चरित्र प्रमाण-पत्र माँगने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

प्रधानाचार्य जी,

सेन्टर स्कूल,

मोती बाग,

नई दिल्ली।

विषय: स्थानांतरण प्रमाण-पत्र एवं चरित्र प्रमाण-पत्र माँगने हेतु पत्र ।

महोदय,

मैं आपके विद्यालय में आठवीं कक्षा की छात्रा हूँ। मेरा नाम नीलिमा है। आपसे सविनय-निवेदन यह है कि मेरे पिताजी का स्थानांतरण गोवा में हो गया है। मेरे पिताजी को गोवा में कंपनी द्वारा रहने के लिए घर दिया गया है। मेरे पिताजी को कंपनी द्वारा वहाँ स्थाई रूप से कार्य करने के लिए भेजा गया है इसलिए हम सपरिवार आगामी मास से गोवा में रहने जा रहे हैं।

आरंभ में पिताजी द्वारा प्रयास किया गया कि मैं यहाँ रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकूं परन्तु यह संभव नहीं हो पाया। अत: पिताजी ने मेरी पढ़ाई की व्यवस्था गोवा के एक विद्यालय में करवाने का निर्णय लिया

है। परन्तु गोवा के विद्यालय में दाखिले पाने के लिए मुझे स्थानांतरण प्रमाण-पत्र एवं चरित्र प्रमाण-पत्र की आवश्यकता है। इनके बिना मेरा विद्यालय में दाखिला नहीं हो पाएगा।

आपसे विनम्र अनुरोध है कि मेरा स्थानांतरण प्रमाण-पत्र एवंचरित्र प्रमाण-पत्र शीघ्रता से बनवाकर दे दिया जाए, जिससे मेरा दाखिला अन्य विद्यालय में बिना किसी कठिनाई के हो सके। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

आपकी आज्ञाकारी शिष्या,

नीलिमा

कक्षा: आठवीं 'ए'

नई हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ मँगवाने और पुस्तकें घर ले जाने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

प्रधानाचार्य जी,

राजकीय उच्चतम माध्यमिक बाल विद्यालय,

डिफेंस कालोनी,

नई दिल्ली।

विषय: हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ नहीं माँगने और घर पर पुस्तकें नहीं दिए जाने के लिए शिकायती पत्र।

महोदय/महोदया,

मैं आठवीं कक्षा का छात्र हूँ। मेरा नाम कृष्णा है। हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का सर्वथा अभाव रहता है। जिसके कारणवश हमें अध्ययन के लिए पर्याप्त पत्र-पत्रिकाएँ नहीं मिल पातीं हैं। यदि हमें हिन्दी के किसी कवि या लेखक के विषय पर पुस्तकें चाहिए होती हैं, तो पुस्तकालय की ओर से सदैव निराशा ही हाथ लगती है।

हमारी कक्षा में मेरे जैसे बहुत से ऐसे विद्यार्थी हैं, जो अध्ययन हेतु पत्र-पत्रिकाएँ नहीं खरीद पाते हैं। हमें इन पुस्तकों के अभाव के कारण ख़ासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं पुस्तकों के सहारे हम

अपनी परीक्षा संबंधी तैयारियाँ करते हैं। हमने कई बार इस विषय में लाइब्रेरियन को बताना चाहा परन्तु उन्होंने इसमें अपनी असमर्थता ही दिखाई। जो पुस्तकें विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। उन पुस्तकों को ले जाने की अनुमति नहीं दी जाती है। हमें यही कहा जाता है कि पुस्तकों का अध्ययन पुस्तकालय में ही रहकर करो। विद्यालय में हमारे पास पुस्तकालय के लिए सिर्फ एक घंटे का समय होता है। इतने कम समय में पुस्तकों का अध्ययन करना हमारे लिए संभव नहीं हो पाता।

इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि हमारे लिए हिंदी की नई पत्र-पत्रिकाएँ मँगवाई जाएं व अध्ययन हेतु पुस्तकें घर पर ले जाने की अनुमति प्रदान की जाए। इसके लिए हम आपके सदा आभारी रहेंगे।

धन्यवाद सहित,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

कृष्णा

कक्षा: ....

विद्यालय में खेल-प्रतियोगिता करवाने हेतु प्रधानाचार्य को लिखिए।

परीक्षा भवन।

दिनांक: ....

सेवा में,

प्रधानाचार्य जी,

राजकीय उच्चतम माध्यमिक बाल विद्यालय,

विवेक विहार,

नई दिल्ली।

विषय: विद्यालय में 'खेल-प्रतियोगिता' कराने हेतु प्रार्थना-पत्र।

महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि हमारे स्कूल में समय-समय पर तरह-तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों व मेलों का आयोजन होता रहा है। परन्तु कभी भी हमारे विद्यालय में कोई 'खेल-प्रतियोगिता' नहीं हुई है। कई स्कूलों व स्थानों पर 'खेल-प्रतियोगिता' का आयोजन किया जाता है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य यही होता है कि

विद्यार्थियों के अंदर छुपे गुणों का विकास किया जाए, खेलों के प्रति उनके अंदर रुचि उत्पन्न की जाए, और उनका शारीरिक विकास भी किया जाए।

इस तरह सब अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न खेलों में भाग लेते हैं। परन्तु हमारे लिए वहाँ जाना संभव नहीं हो पाता। आपसे सप्रेम प्रार्थना है कि हमारे स्कूल में भी इसी तरह की 'खेल-प्रतियोगिता' कराई जाए। इसके द्वारा बच्चों के अन्दर खेलों के प्रति रुचि उत्पन्न की जा सकेगी, वे अपनी पसन्द के अनुसार खेलों में भाग ले सकें और साथ में यह उनका मनोरंजन भी करेगा।

अत: आपसे विनम्र निवेदन हैं कि हमारे स्कूल में 'खेल-प्रतियोगिता' करवाने की कृपा करें। आपके इस कदम से अनेक छात्रों को खेलों में भाग लेने का अवसर मिलेगा और उनका भरपूर मनोरंजन भी होगा। हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

विमलेश

कक्षा: ....